No. of Printed Pages : 7

BHMCT-103

B. A. (PERFORMING ARTS) (HONOURS)HINDUSTANI MUSIC (BAPFHMH)

Term-End Examination

June, 2023

BHMCT-103 : FUNDAMENTALS OF HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *All questions are compulsory.*

1. Define the following terms : 10
   (i) Moorchhana
   (ii) Nyas swar
   (iii) Parmel Praveshak Raga
   (iv) Sandhiprakash Raga
   (v) Ansha Swar

2. Match the following : 10

(a)	Teevra	(i)	Saptadhyayi
(b)	Graha Swara	(ii)	16 Matras
(c)	Kramik Pustak Malika	(iii)	Oudav Jati Raga
(d)	Raga Pooriya	(iv)	Bilawal Thaat Raga
(e)	Tilwada Taal	(v)	Vaadi Re, Samvadi Pa
(f)	Sangeet Ratnakar	(vi)	Madhyam Gram Moorchhana

(g)	Sangeet Bal Prakash	(vii)	Jati Gayan
(h)	Bhupali	(viii)	Pt. V. N. Bhatkhande
(i)	Alhaiya Bilawad	(ix)	Sandhiprakash Raga
(j)	Raga Desh	(x)	Pt. V.D. Paluskar

3. Fill in the blanks with appropriate words : 10

   (a) Raganga classificaton system was propounded by.....

   (b) "Dandmatrik" notation system was propounded by.....

   (c) There were four Matas on medieval Rag-Ragini classification system—Someshwar Mata, Bharat Mata Hanuman Mata and .....Mata.

   (d) The author of the book "Music of Hindustan" is .....

   (e) The Vadi war of Raga Alhaiya Bilawal is .....

4. Write short notes on any *five* of the following : 5×6=30

   (a) *Ten* characteristics of Jaati

   (b) *Seven* Moorchhanas of Madhyama Gram and their tonal structures

(c) Description of Tilawada Taal and its Theka.

(d) Characteristics of Thaata according to Pt. Bhatkhande.

(e) Association of seasons with Hindustani Music.

(f) Give brief details of Raga Bhupali and write down the Sargam Geet notation.

(g) Association of Sir William Jones to Indian Music and his contribution towards Indian Music.

5. Write detailed answer to any *two* of the following questions : 20×2=40

(a) Discuss the content of the treatise "Sangeet Ratnakar" of Sharanga Dev.

(b) Explain in detail about the contribution of European authors to bring Hindustani Music on the stage of world music.

(c) Write in detail the contribution of Raja Saurindra Mohan Thakur in the field of Hindustani Music.

(d) Discuss the contents of the treatise "Sangeet Parijaat" of Pt. Ahobal.

BHMCT-103

बी. ए. (प्रदर्शन कला) (ऑनर्स)

हिन्दुस्तानी संगीत

(बी.ए.पी.एफ.एच.एम.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एच.एम.सी.टी.-103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूलभूत तत्व

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा लिखिए : 10

(क) मूच्छंना

(ख) न्यास स्वर

(ग) परमेल प्रवेशक राग

(घ) संधिप्रकाश राग

(ङ) अंश स्वर

2. निम्नलिखितों को सुमेलित कीजिए : 10

(क)	तीव्रा	(1)	सप्ताध्यायी
(ख)	ग्रह स्वर	(2)	16 मात्राएँ
(ग)	क्रमिक पुस्तक मलिका	(3)	औडव जाति राग
(घ)	राग पूरिया	(4)	बिलावल थाट राग
(ङ)	तिलवाड़ा ताल	(5)	वादो रे, सम्वादी प
(च)	संगीत रत्नाकर	(6)	मध्यम ग्राम मूर्च्छना
(छ)	संगीत बाल प्रकाश	(7)	जाति गायन
(ज)	भूपाली	(8)	पं. वी. एन. भातखण्डे
(झ)	अल्हैया बिलावल	(9)	संधिप्रकाश राग
(ञ)	राग देश	(10)	पं. वो. डी. पलुस्कर

3. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों को भरिए : 10

(क) 'रागांग वर्गीकरण पद्धति' के प्रणेता श्री ....थे।

(ख) 'दण्डमात्रिक' स्वरलिपि पद्धति के प्रवर्तक थे ....।

(ग) राग-रागिनी वर्गीकरण प्रणाली के चार मत थे सोमेश्वर मत, भरत मत, हनुमान मत और .... मत।

(घ) "म्यूजिक ऑफ हिन्दुस्तान" ग्रन्थ के लेखक .....थे।

(ङ) राग अल्हैया बिलावल का वादो स्वर ..... है।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 6×5=30

(क) जाति के **दस** लक्षण

(ख) मध्यम ग्राम की सात मूर्च्छनाओं के नाम तथा स्वर संरचना

(ग) तिलवाड़ा ताल का विवरण देते हुए उसका ठेका

(घ) पं. भातखण्डे के अनुसार थाट के लक्षण

(ङ) हिन्दुस्तानी संगीत का ऋतुओं के साथ संबन्ध।

(च) राग भूपालो का संक्षिप्त विवरण देते हुए उसके 'सरगम गीत' की स्वरलिपि

(छ) सर विलियम जोन्स का भारतीय संगीत से सम्बन्ध बताते हुए इस क्षेत्र में उनक योगदान का विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दा** प्रश्नों के विस्तारित उत्तर दीजिए : 20×2=40

(क) शारंगदेवकृत "संगीत रत्नाकर" ग्रन्थ की सामग्री की चर्चा कीजिए।

(ख) हिन्दुस्तानी संगीत का विश्व संगीत मंच पर लाने में यूरोपियन ग्रन्थकारों के योगदान पर विस्तत व्याख्या कीजिए।

(ग) राजा सौरिन्द्र मोहन ठाकुर क हिन्दुस्तानी संगीत में योगदान का विश्लेषण कीजिए।

(घ) पं. अहोबल रचित "संगीत पारिजात" ग्रन्थ की सामग्री के बारे चर्चा कीजिए।